प्रेस विज्ञप्ति/ प्रकाशनार्थ

19 जनवरी , 2021 गोरखपुर ।

दशम पातशाह श्री गुरु गोविंद सिंह जी महाराज जी के प्रकाश पर्व को समर्पित एक विशाल रक्तदान शिविर ।

यह रक्तदान शिविर गुरुद्वारा श्री गुरु सिंह सभा जटा शंकर द्वारा गुरु श्री गोरखनाथ ब्लड बैंक,गोरखनाथ चिकित्सालय के तत्वाधान में किया गया।

इस अवसर पर ब्लड बैंक प्रभारी डॉ. अवधेश अग्रवाल ने बताया की गुरु गोविन्द सिंह जी महाराज जहा विश्व की बलिदानी परम्परा मे अद्वित्य थे, वही वे स्वयं एक महान लेखक, मौलिक चिंतक तथा संस्कृत सहित कई भाषाओ के ज्ञाता भी थे, उन्होंने स्वयं कई ग्रंथो की रचना की । वे विद्वानों के संरक्षक थे उनके दरबार मे हमेशा कवियों तथा लेखकों की उपस्थिति रहती थी, इसीलिए उन्हें संत सिपाही भी कहा जाता था।वे भक्ति एव शक्ति के अद्वित्य संगम थे ।

उन्होंने सदा प्रेम एकता भाईचारे का सन्देश दिया, गुरु जी की मान्यता थी की मनुष्य को किसी से डरना नहीं चाहिए और किसी को डराना भी नहीं चाहिए ।वे अपने बाणी मे उपदेश देते है

" भै काहु को देत नाहि, नाही भय मानत आन "

वे बल्यकाल से ही सरल सहज़ भक्ति भाव वाले कर्मयोगी थे । उनकी बाणी मे मधुरता, सादगी, सौजन्यता एव बैराग्य की भावना कूट - कूट कर भारी थी । उनके जीवन का प्रथम दर्शन ही था कि धर्म का मार्ग सत्य का मार्ग है और सत्य कि सदैव विजय होती है ।

ब्लड बैंक ऑफिसर डॉ ममता जायसवाल ने कहा कि गुरु को समर्पित रक्तदान शिविर मे किये गए रक्तदान से मानव कल्याण का मार्ग प्रशस्त होता है ।मानव का कल्याण उसकी मानवता पर ही निर्भर होता है। रक्तदान कर मानवता का सन्देश देने वाले सभी को ह्रदय से धन्यवाद ।

आज के इस रक्तदान शिविर में सरदार जसपाल सिंह, भारती, अरविंद, सौरव के साथ कई रक्तदाताओ ने रक्तदान किया।ये सभी रक्तदाता अनुकरणीय एवं वंदनीय है ।

सभी रक्तदाताओं को ब्लड बैंक द्वारा सम्मान स्वरूप प्रशस्ति पत्र , की चैन,कॉफ़ी मग आदि दिया गया ।

इस रक्तदान शिविर को ब्लड बैंक के डॉ बी. बी. सिंह श्री चंद्रेश्वर यादव, शोभा राय , संदीप यादव, ने सफलतापूर्वक संपन्न किया।

वैश्विक महामारी कोविड को ध्यान में रखते हुए कार्यक्रम में सोशल डिस्टेंस, हैण्ड सैनिटाइजेशन तथा मास्क इत्यादि के साथ रक्तदाताओ का चिकित्सीय परिक्षण, हीमोग्लोबिन, बी.पी. पल्स, ब्लड ग्रुप इत्यादि जाँच की गई।